द इंडिया स्टोरी का दमदार प्रोमो हुआ रिलीज

जी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और एमआईजी प्रोडक्शंस एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से बनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' का दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाला प्रोमो रिलीज कर दिया गया है. 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही यह फिल्म आज देश के करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाले एक गंभीर लेकिन अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले मुद्दे, खाद्य मिलावट पर प्रकाश डालती है.

गंभीर विषय पर आधारित इस फिल्म में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. गौरतलब है कि फिल्म का यह प्रभावशाली प्रोमो हमारे घरों तक पहुंचने वाले खाने की गुणवत्ता और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है. रासायनिक पदार्थों से तैयार की गई सब्जियों और फलों से लेकर दूषित डेयरी उत्पादों और मिलावटी खाद्य सामग्री तक, 'द इंडिया स्टोरी' दिखाती है कि कैसे मुनाफे की दौड़ में लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है.

दमदार विजुअल्स और प्रभावशाली कहानी के जरिए फिल्म यह उजागर करती है कि खाद्य मिलावट किस तरह गंभीर बीमारियों, लंबे समय तक रहने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मौतों का कारण बन सकती है. एक सामाजिक रूप से प्रासंगिक और मजबूत विषय पर आधारित यह फिल्म केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने और लोगों के बीच जरूरी बातचीत शुरू करने का प्रयास भी करती है.

विंटेज लुक में छाईं सोनम

सोनम बाजवा उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं जो अपनी फिल्मों के साथ-साथ फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं. अभिनेत्री अक्सर अपने अलग-अलग लुक्स से फैंस को प्रभावित करती रहती हैं. इस बार उन्होंने विंटेज थीम पर आधारित एक खास फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. तस्वीरों में सोनम बाजवा का रेट्रो अंदाज देखते ही बन रहा है. उन्होंने ऐसा आउटफिट चुना है जो पुराने दौर के फैशन की याद दिलाता है. इसके साथ उनकी हेयरस्टाइल, मेकअप और एक्सेसरीज ने पूरे लुक को और भी खास बना दिया है.

51 की उम्र में भी सिंगल हैं अमीषा

अमीषा पटेल हिंदी सिनेमा की एक जानी-मानी और ग्लैमरस एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्मों के जरिए दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है. बावजूद इसके, 51 साल की उम्र में भी उन्होंने शादी नहीं की है, इस बार इस बात को लेकर आए दिन लोग उनसे सवाल करते हैं. इन्ही सब सवालों का जवाब देने के लिए एक बार अमीषा ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने शादी क्यों नहीं की.

साल 2000 में कहो ना प्यार है से अमीषा ने अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को बहुत ही हिट फिल्में दीं. उन्होंने अपने शानदार अभिनय और ग्लैमरस अंदाज से बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है. एक्ट्रेस 9 जून को अपना 51वां जन्मदिन मनाने वाली हैं. आज भी वो उतनी ही खूबसूरत हैं, जितनी वो पहले थीं. अमीषा की उम्र 51 वर्ष की है लेकिन आज तक उन्होंने शादी नहीं की है. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने शादी न करने की वजह भी बताई थी. अमीषा पटेल ने कहा- मुझे नहीं अभी तक ऐसा इंसान मुझे मिला जो मेरे दिमाग में टिक करता है. मै जैसी हूँ, वैसे ही बनकर खुश हूं. उन्होंने कहा था कि वह अपनी जिंदगी से पूरी तरह खुश हैं और उन्हें किसी साथी की कमी महसूस नहीं होती. उनका कहना था कि वह अपने काम में इतनी व्यस्त रहती हैं कि रिश्तों के लिए उनके पास ज्यादा समय या जगह ही नहीं बचती. इसके बाद उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया था कि आज तक मुझे जितने भी लोग मिले हैं वो चाहते थे कि मैं शादी के बाद काम न करूं और घर पर बैठी रहूं.

आमिर खान की बंटवारा 1947 का पोस्टर जारी

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है. इस फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने किया है. जारी मोशन पोस्टर में विभाजन के दौर की पीड़ा, संघर्ष, साहस और मानवीय भावनाओं की झलक दिखाई गई है. फिल्म की कहानी ऐसे नायक के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिसने नफरत और भय के माहौल में भी साहस और मानवता का रास्ता चुना.

फिल्म में सनी देओल के अलावा शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल, अभिमन्यु सिंह, खुशी हजारे और कनिका कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. 'बंटवारा 1947' राजकुमार संतोषी और सनी देओल की चर्चित जोड़ी को करीब 30 साल बाद फिर साथ ला रही है. इससे पहले दोनों ने 'घायल', 'दामिनी' और 'घातक' जैसी सफल और यादगार फिल्मों में साथ काम किया था. फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं. फिल्म के निर्माता आमिर खान और अपर्णा पुरोहित हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस के अनुसार, 'बंटवारा 1947' देश के विभाजन की स्मृति से जुड़े अवसर पर 14 अगस्त 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी.

स्त्री 2 के मेकर्स संग लौटेंगी श्रद्धा

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ईथा' को लेकर सुर्खियों में हैं. 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अभिनेत्री एक बार फिर उसी टीम के साथ काम करती नजर आएंगी. फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है. खास बात यह है कि इस फिल्म में श्रद्धा एक बेहद चुनौतीपूर्ण और दमदार किरदार निभाने जा रही हैं.

'ईथा' का निर्देशन चर्चित फिल्मकार लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले कई सफल फिल्मों का निर्देशन किया है. फिल्म की कहानी महाराष्ट्र की प्रसिद्ध लावणी कलाकार विठाबाई के जीवन से प्रेरित बताई जा रही है. विठाबाई को लावणी कला की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय कलाकारों में गिना जाता है. उन्होंने लोक कला को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था. फिल्म में श्रद्धा कपूर विठाबाई के संघर्ष, सफलता और कला के प्रति समर्पण को पर्दे पर उतारेंगी. इसके लिए अभिनेत्री कथित तौर पर लावणी नृत्य और उस दौर की संस्कृति को गहराई से समझने की तैयारी कर रही हैं. यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच खास उत्साह देखा जा रहा है. श्रद्धा कपूर पिछले कुछ वर्षों में अपने अभिनय के दम पर अलग-अलग तरह के किरदारों में खुद को साबित कर चुकी हैं. ऐसे में विठाबाई जैसा किरदार उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है. फिल्म के जरिए दर्शकों को एक कलाकार की प्रेरणादायक यात्रा देखने का मौका मिलेगा. रिलीज डेट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस लगातार फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

नई जज़्बाती कहानी 'दिलों की राम लीला'

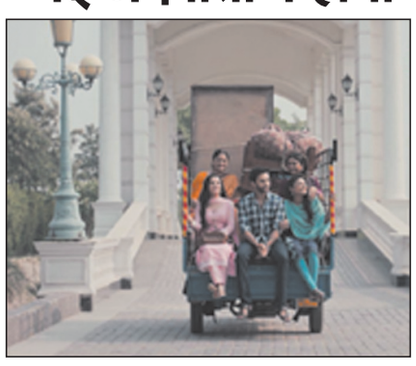

ज़ी टीवी हमेशा से ऐसी कहानियां लेकर आया है, जिनमें संस्कृति की खुशबू, जज़्बातों की गहराई और रिश्तों की सच्चाई नजर आती है. यही वजह है कि इसकी कहानियां हर पीढ़ी के दर्शकों से गहराई से जुड़ती हैं. 'वसुधा', 'गंगा माई की बेटियां' और 'तुम से तुम तक' जैसे तीन शोज़ के टॉप फाइव में बने रहने के साथ चैनल लगातार बार्क रेटिंग्स में शानदार प्रदर्शन कर रहा है. रिश्तों, जज़्बातों और इंसानी जुड़ाव से भरी कहानियों के जरिए ज़ी टीवी ने हमेशा दर्शकों का दिल जीता है. अब चैनल एक बार फिर नई फिक्शन कहानियों की ताज़ा पेशकश के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है. हाल ही में दर्शकों ने 'तू ही रे दिल में' का पहला प्रोमो देखा था और अब ज़ी टीवी एक और दिल छू लेने वाली कहानी 'दिलों की राम लीला' लेकर आने जा रहा है. यह प्यार, परिवार, जज़्बात और किस्मत से जुड़ी एक खूबसूरत कहानी है. शो में आस्था शर्मा और मिश्कत वर्मा लीड रोल्स में नजर आएंगे, जबकि एजाज़ खान और मानसी साल्वी अहम किरदारों में दिखाई देंगे. यह शो दर्शकों को अपनापन, रिश्तों और इंसानी जुड़ाव से भरे जज़्बाती सफर पर ले जाने का वादा करता है.

कहानी के केंद्र में है लीला, एक ऐसी लड़की जिसके पास दौलत, रुतबा और ऐशोआराम सब कुछ है, लेकिन उसके दिल में एक कमी हमेशा बनी रहती है- अपने पिता का प्यार और अपनापन. अमीर परिवार से होने के बावजूद लीला खुद को जज़्बाती तौर पर अकेला और अधूरा महसूस करती है.

टेलीविजन

अनुपमा के फैसले से भड़के घरवाले

अनुपमा के आगामी एपिसोड में कई बड़े ट्विस्ट और भावनात्मक उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे. कहानी का केंद्र बिंदु बंकू और ईशानी का रिश्ता बनने वाला है. दिग्विजय को जब यह पता चलेगा कि बंकू भी ईशानी को पसंद करता है, तो हालात अचानक बदल जाएंगे. वह बंकू को समझाने की कोशिश करेगा, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनेंगी कि बंकू खुद घर छोड़ने का फैसला कर लेगा.

अगली सुबह जब सभी को बंकू के जाने की जानकारी मिलेगी, तो माहौल पूरी तरह बदल जाएगा. दिग्विजय भी अंदर ही अंदर दुखी होगा. इसी बीच अनुपमा को यह सच्चाई पता चलेगी कि बंकू और ईशानी एक-दूसरे से प्यार करते हैं और गलतफहमी तथा सामाजिक हैसियत के कारण यह रिश्ता टूटने की कगार पर पहुंच गया है. हमेशा की तरह अनुपमा बच्चों की खुशी और सच्चे रिश्ते का साथ देगी. वह बंकू को वापस बुलाने की कोशिश करेगी और ईशानी को भी समझाएगी कि प्यार किसी की आर्थिक स्थिति या सामाजिक स्तर का मोहताज नहीं होता. लेकिन उसका यही कदम परिवार में नया विवाद खड़ा कर देगा.

पाखी को लगेगा कि अनुपमा जानबूझकर उसकी बेटी की शादी एक नौकर से करवाना चाहती है. वह अपनी मां पर गंभीर आरोप लगाएगी और उसे परिवार के सामने कटघरे में खड़ा कर देगी. लीला और तोषू भी अनुपमा के खिलाफ खड़े नजर आ सकते हैं. ऐसे में एक बार फिर अनुपमा को अपने ही घर में विरोध का सामना करना पड़ेगा. दूसरी ओर, ईशानी अपनी नानी का साथ देती दिखाई देगी. अगर हालात ज्यादा बिगड़ते हैं तो उसके घर छोड़ने की संभावना भी बन सकती है. ऐसा होने पर पाखी को अपने अतीत की याद आएगी और उसे एहसास होगा कि जब उसने परिवार के खिलाफ जाकर फैसले लिए थे, तब उसके अपनों को कितना दुख हुआ होगा.

कृषि जगत

किचन गार्डन में उगाएं लौंग का पौधा

लौंग एक सदाबहार मसाला फसल है, जिसे उसके सुगंधित फूलों की कलियों के लिए उगाया जाता है. यह पौधा मूल रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अच्छी तरह विकसित होता है. हालांकि सही देखभाल और अनुकूल वातावरण मिलने पर इसे घर के बगीचे या बड़े गमले में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है.लौंग का पौधा लगाने के लिए सबसे पहले अच्छी गुणवत्ता वाले बीज या नर्सरी से स्वस्थ पौधा लेना चाहिए. इसे जैविक पदार्थों से भरपूर और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में लगाया जाता है. पौधे को ऐसी जगह रखना चाहिए जहां पर्याप्त रोशनी मिले, लेकिन तेज और लगातार धूप से बचाव भी हो सके. गर्म और नम वातावरण लौंग की वृद्धि के लिए उपयुक्त माना जाता है.

सिंचाई के मामले में संतुलन बनाए रखना जरूरी है. मिट्टी में नमी बनी रहनी चाहिए, लेकिन पानी का जमाव नहीं होना चाहिए. समय-समय पर जैविक खाद देने से पौधे की वृद्धि बेहतर होती है. शुरुआती वर्षों में पौधे को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि लौंग धीरे-धीरे बढ़ने वाला पौधा है. लौंग के पौधे की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह लंबे समय तक जीवित रहता है. एक बार अच्छी तरह स्थापित होने के बाद यह वर्षों तक उत्पादन दे सकता है. हालांकि लौंग की कलियां प्राप्त करने के लिए धैर्य की जरूरत होती है, क्योंकि पौधे को परिपक्व होने में कई वर्ष लग सकते हैं. घर में लौंग का पौधा लगाने से आपको ताजी और प्राकृतिक लौंग प्राप्त होने की संभावना तो रहती ही है, साथ ही यह आपके किचन गार्डन को एक अनोखा और आकर्षक रूप भी देता है. इसके हरे-भरे पत्ते और सुगंधित वातावरण बगीचे की सुंदरता को बढ़ाते हैं. यदि आप किचन गार्डनिंग के शौकीन हैं और कुछ अलग उगाने की सोच रहे हैं, तो लौंग का पौधा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. थोड़ी मेहनत, नियमित देखभाल और धैर्य के साथ आप अपने घर में इस उपयोगी मसाले के पौधे को सफलतापूर्वक विकसित कर सकते हैं.

घर में लगाएं हर्बल शुगर का पौधा

स्टीविया एक ऐसा औषधीय पौधा है जिसकी पत्तियां प्राकृतिक मिठास से भरपूर होती हैं. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह चीनी से लगभग 200 से 300 गुना तक अधिक मीठा माना जाता है, लेकिन इसमें कैलोरी बहुत कम होती है. यही वजह है कि दुनियाभर में इसे प्राकृतिक स्वीटनर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है.

स्टीविया का सीमित मात्रा में उपयोग ब्लड शुगर नियंत्रण की कोशिश कर रहे लोगों के लिए उपयोगी विकल्प हो सकता है. इसकी पत्तियों को सुखाकर पाउडर बनाया जाता है या सीधे पेय पदार्थों और कुछ खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल किया जा सकता है. हालांकि, किसी भी स्वास्थ्य स्थिति में इसका नियमित उपयोग शुरू करने से पहले डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित रहता है. घर में स्टीविया उगाना भी बेहद आसान है. इसके लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी और मध्यम धूप की जरूरत होती है. पौधे को रोजाना अधिक पानी देने की आवश्यकता नहीं होती. मिट्टी हल्की नम रहे, इतना पर्याप्त है. लगभग कुछ महीनों में पौधा तैयार हो जाता है और इसकी पत्तियों का उपयोग किया जा सकता है. स्टीविया की देखभाल भी सामान्य पौधों की तरह ही होती है. समय-समय पर इसकी छंटाई करने से पौधा घना होता है और अधिक पत्तियां देता है. इसे गमले, ग्रो बैग या सीधे जमीन में लगाया जा सकता है. यही वजह है कि शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी इसे आसानी से अपने घर में उगा सकते हैं.

डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान स्टीविया

संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ प्राकृतिक विकल्पों का उपयोग बेहतर जीवनशैली की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है. स्टीविया ऐसा ही एक पौधा है जो प्राकृतिक मिठास के साथ सेहत का भी ध्यान रखता है. यदि आप चीनी का विकल्प तलाश रहे हैं, तो अपने घर में स्टीविया का पौधा लगाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है.

घर पर उगाएं पोषण से भरपूर सहजन

मोरिंगा, जिसे भारत में सहजन या ड्रमस्टिक के नाम से जाना जाता है, पोषण का एक शानदार स्रोत माना जाता है. इसकी पत्तियों में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, विटामिन ए, विटामिन सी और कई जरूरी एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. यही वजह है कि इसे दुनिया भर में सुपरफूड के रूप में पहचान मिली है.

घर में मोरिंगा उगाना काफी आसान है. इसके लिए आपको सिर्फ एक बड़ा गमला, अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी और पर्याप्त धूप की जरूरत होती है. मोरिंगा को धूप पसंद होती है, इसलिए इसे ऐसी जगह रखें जहां रोजाना कम से कम 5 से 6 घंटे धूप मिल सके. पौधे को अधिक पानी देने की आवश्यकता नहीं होती. मिट्टी सूखने पर ही सिंचाई करना बेहतर माना जाता है. मोरिंगा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी पत्तियां और फलियां दोनों उपयोगी होती हैं. इसकी कोमल पत्तियों का इस्तेमाल सूप, सब्जी, पराठे और सलाद में किया जा सकता है. वहीं फलियां भारतीय रसोई में कई लोकप्रिय व्यंजनों का हिस्सा होती हैं. स्वाद के साथ-साथ यह शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करती हैं. मोरिंगा का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने, हड्डियों को मजबूत रखने और समग्र स्वास्थ्य को समर्थन देने में सहायक हो सकता है. हालांकि किसी विशेष बीमारी या स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है.

मशरूम खेती में बरतें ये जरूरी सावधानियां

मशरूम की खेती एक नियंत्रित वातावरण वाली कृषि गतिविधि है, जिसमें तापमान और नमी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. भारत में मुख्य रूप से बटन मशरूम, ऑयस्टर मशरूम और मिल्की मशरूम की खेती की जाती है. प्रत्येक किस्म के लिए उपयुक्त तापमान अलग होता है.

बटन मशरूम की खेती के लिए सामान्यत: 14 से 18 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है. वहीं ऑयस्टर मशरूम 20 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बेहतर उत्पादन देता है. मिल्की मशरूम अपेक्षाकृत गर्म वातावरण पसंद करता है और 25 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान में अच्छी वृद्धि करता है. इसलिए खेती शुरू करने से पहले अपनी क्षेत्रीय जलवायु के अनुसार मशरूम की किस्म का चयन करना जरूरी है.

मशरूम उत्पादन में स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है. उत्पादन कक्ष, उपकरण, पानी और उपयोग किए जाने वाले सब्सट्रेट को साफ रखना आवश्यक है. थोड़ी सी गंदगी या फफूंद का संक्रमण पूरी फसल को नुकसान पहुंचा सकता है. यही कारण है कि विशेषज्ञ खेती स्थल को नियमित रूप से साफ रखने की सलाह देते हैं. नमी का स्तर भी उत्पादन को प्रभावित करता है. अधिकांश मशरूम किस्मों के लिए 80 से 90 प्रतिशत आर्द्रता उपयुक्त मानी जाती है. नमी कम होने पर मशरूम का विकास प्रभावित हो सकता है, जबकि अत्यधिक नमी से रोगों का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए संतुलित वातावरण बनाए रखना जरूरी है.

वेंटिलेशन का भी विशेष महत्व है. उत्पादन कक्ष में ताजी हवा का आवागमन बना रहना चाहिए, लेकिन तेज हवा या सीधी धूप से बचाव करना आवश्यक है. इसके अलावा उच्च गुणवत्ता वाले स्पॉन (बीज) का उपयोग करना चाहिए और केवल प्रमाणित स्रोतों से ही सामग्री खरीदनी चाहिए. यदि किसान तापमान, नमी, स्वच्छता और वेंटिलेशन जैसी मूलभूत बातों का ध्यान रखें तो मशरूम की खेती बेहद लाभदायक साबित हो सकती है. सही तकनीक अपनाकर कम जगह में भी अच्छी पैदावार हासिल की जा सकती है. यही वजह है कि मशरूम उत्पादन आज कृषि क्षेत्र में रोजगार और अतिरिक्त आय का एक मजबूत माध्यम बनकर उभर रहा है.